

Class I (English)

Suggested Pedagogical Processes	Learning Outcomes
<p>The learner may be provided opportunities in pairs or groups/ individually and encouraged to–</p> <ul style="list-style-type: none"> • name common objects such as– man, dog etc. when pictures are shown • use familiar and simple words ('bat', 'pen', 'cat') as examples to reproduce the starting sound and letter (/b/, /p/, /k/ etc) • develop phonemic awareness through activities focusing on different sounds, emerging from the words in stories and texts • sing or recite collectively songs or poems or rhymes with actions • listen to stories, and humorous incidents and interact in English or home language • ask simple questions like names of characters from the story, incidents that he/she likes in the story, etc. (Ensure clear lip movement for children with hearing impairment to lip read.) • draw or scribble pictures and images from the story as preliminary to writing • respond in home language or English or sign language or non-verbal expressions what he/she has understood in the story or poem • listen to instructions and draws a picture • Use greetings like "Good morning", "Thank you" and have polite conversations in English such as "What is your name?", "How are you?" etc. • Say 2-3 sentences describing familiar objects and places such as family photographs, shops, parks etc. • Give examples of common blend sounds in words like <u>b</u>rick', <u>b</u>rother', <u>f</u>rog', <u>f</u>riend' etc. 	<p>The learner–</p> <ul style="list-style-type: none"> • associates words with pictures • Names familiar objects seen in the pictures • recognises letters and their sounds A—Z • differentiates between small and capital letters in print or Braille • recites poems/rhymes with actions • draws, scribbles in response to poems and stories • responds orally (in any language including sign language) to comprehension questions related to stories/poems • identifies characters and sequence of a story and asks questions about the story • carries out simple instructions such as 'Shut the door', 'Bring me the book', and such others • listens to English words, greetings, polite forms of expression, simple sentences, and responds in English or the home language or 'signing' (using sign language) • listens to instructions and draws a picture • talks about self /situations/ pictures in English • uses nouns such as 'boy', 'sun', and prepositions like 'in', 'on', 'under', etc. • produces words with common blends like "br" "fr" like 'brother', 'frog' etc. • writes simple words like fan, hen, rat etc.

कक्षा एक (हिंदी)


सीखने-सिखाने की प्रक्रिया	सीखने की संप्राप्ति (Learning Outcomes)
<p>सभी शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए ताकि उन्हें—</p> <ul style="list-style-type: none"> • अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों। अपनी बात कहने (भाषिक और सांकेतिक माध्यम से) के लिए अवसर एवं प्रोत्साहन हो। • बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और उनका शब्द-भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे। • कहानी, कविता आदि को बोलकर सुनाने के अवसर हों और उस पर बातचीत करने के अवसर हों। • हिंदी में सुनी गई बात, कविता, खेल-गीत, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने-सुनाने के अवसर उपलब्ध हों। • प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों। • कक्षा अथवा विद्यालय (पढ़ने का कोना/पुस्तकालय) में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की एवं विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषा/एँ, हिंदी आदि) में रोचक सामग्री, जैसे— बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो- वीडियो सामग्री उपलब्ध हो। सामग्री ब्रेल में भी उपलब्ध हो, कमज़ोर दृष्टि वाले बच्चों को ध्यान में रखते हुए कुछ सामग्री बड़े अक्षरों में भी छपी हुई हो। • तरह-तरह की कहानियों, कविताओं को चित्रों के आधार पर अनुमान लगाकर पढ़ने के अवसर उपलब्ध हों। • विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों, जैसे— किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, उसे अनुभव संसार से जोड़कर देख पाना आदि। • सुनी, देखी, बातों को अपने तरीके से कागज़ पर उतारने के अवसर हों। 	<p>बच्चे—</p> <ul style="list-style-type: none"> • विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे— कविता, कहानी सुनाना, जानकारी के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना। • सुनी सामग्री (कहानी, कविता आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, अपनी राय देते हैं, प्रश्न पूछते हैं। • भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनंद लेते हैं, जैसे— इन्ना, बिन्ना, तिन्ना। • प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) और गैर-प्रिंट सामग्री (जैसे, चित्र या अन्य ग्राफिक्स) में अंतर करते हैं। • चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं। • चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं। • पढ़ी कहानी, कविताओं आदि में लिपि चिह्नों/शब्दों/वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर, समझकर उनकी पहचान करते हैं। • संदर्भ की मदद से आस-पास मौजूद प्रिंट के अर्थ और उद्देश्य का अनुमान लगाते हैं, जैसे— टॉफी के कवर पर लिखे नाम को 'टॉफी', 'लॉलीपॉप' या 'चॉकलेट' बताना। • प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों को पहचानते हैं, जैसे— 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, यह कहाँ लिखा हुआ है?/ इसमें 'नाम' कहाँ लिखा हुआ है?/ 'नाम' में 'म' पर अँगुली रखो। • परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री (जैसे— मिड-डे मील का चार्ट, अपना नाम, कक्षा का नाम, मनपसंद किताब का शीर्षक आदि) में रुचि दिखाते हैं, बातचीत करते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे— केवल चित्रों या चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।

- बच्चे अक्षरों की आकृति बनाना शुरू करते हैं भले ही उनके द्वारा बनाए गए अक्षरों में सुघड़ता न हो- इसे कक्षा में स्वीकार किया जाए।
- बच्चों द्वारा अपनी वर्तनी गढ़ने की प्रवृत्ति को भाषा सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझा जाए।



- हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।
- स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं।
- लिखना सीखने की प्रक्रिया के दौरान अपने विकासात्मक स्तर के अनुसार चित्रों, आड़ी-तिरछी रेखाओं (कीरम-काटे), अक्षर-आकृतियों, स्व-वर्तनी (इंनवेंटेड स्पैलिंग) और स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैशनल राइटिंग) के माध्यम से सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से लिखने का प्रयास करते हैं।
- स्वयं बनाए गए चित्रों के नाम लिखते (लेबलिंग) हैं, जैसे- हाथ के बने पंखे का चित्र बनाकर उसके नीचे 'बीजना' (ब्रजभाषा, जो कि बच्चे की घर की भाषा हो सकती है।) लिखना।

Class I (Mathematics)

Suggested Pedagogical Processes	Learning Outcomes
<p>The learner may be provided opportunities in pairs/groups/ individually and encouraged to —</p> <ul style="list-style-type: none"> • observe different contexts and situations from the immediate environment such as things that are inside/outside the classroom They may be encouraged to use spatial vocabulary/ concepts like top-bottom, on-under, inside-outside, above-below, near-far, before-after, thin- thick, big-small etc. • identify and draw the things which are near-far, tall-short, thick-thin, etc. • handle concrete materials or models and classify them. For example, objects which are round in shape such as chapati, ball, etc and those which are not round such as pencil box. • count objects, for instance, students may take out objects up to 9 from a given collection of objects such as picking any 8 leaves / 4 beads/ 6 ice-cream sticks etc, from the given box. • take out objects up to 20 from a given collection of objects • use words like more than, less than or equal through the strategy of one to one correspondence in objects in two groups • explore different strategies to add numbers up to 9 like counting on forward and using already known addition facts • evolve different strategies to subtract numbers up to 9 as for example, recounting after taking out objects from a given collection • use different strategies like aggregation, counting forward, using addition facts, etc. to extend addition up to 20 (sum not exceeding 20) • develop different strategies of subtraction through taking away objects/ pictures • count in groups of tens and ones for numbers more than 20 e.g. 38 has 3 groups/bundles of ten each and 8 loose (ones) 	<p>The learner —</p> <ul style="list-style-type: none"> • classifies objects into groups based on a few physical attributes such as shape, size and other observable properties including rolling and sliding recites number names and counts objects up to 20, concretely, pictorially and symbolically • works with numbers 1 to 20 <ul style="list-style-type: none"> – counts objects using numbers 1 to 9 – compares numbers up to 20. For example tells whether number of girls or number of boys is more in the class • applies addition and subtraction of numbers 1 to 20 in daily life <ul style="list-style-type: none"> – constructs addition facts up to 9 by using concrete objects. For example to find $3+3$ counts 3 steps forward from 3 and concludes that $3+3=6$ – subtracts numbers using 1 to 9. For example the child takes out 3 objects from a collection of 9 objects and counts the remaining to conclude $9-3=6$ – solves day-to-day problems related to addition and subtraction of numbers up to 9 • recognises numbers up to 99 and writes numerals • describes the physical features of various solids/shapes in her own language. For example- a ball rolls, a box slides etc. • estimates and measures short lengths using non uniform units like a finger, hand span, length of a forearm, footsteps, etc. • observes, extends and creates patterns of shapes and numbers. For example, arrangement of shapes/ objects/ numbers, etc.:- <div style="margin-top: 10px;">  <p style="margin-left: 20px;">– 1,2,3,4,5,...</p> <p style="margin-left: 20px;">– 1,3,5,...</p> <p style="margin-left: 20px;">– 2,4,6,.....</p> <p style="margin-left: 20px;">– 1,2,3,1,2,...., 1,....3,.....</p> </div>

- sort objects based on similarities and differences through their sense of touch and observations
- verbalise the properties of shapes/criterion used by them in sorting/ classifying solids/ shapes
- use concrete play money for making amounts up to Rs 20
- finds short lengths in their immediate environment using non uniform units like finger, hand span, length of a forearm, footsteps, etc.
- conduct classroom discussions on learner observations of pattern and allow them to describe in their own language. Let children find what will come next and justify their answer
- observe and collect information from the visuals, contexts/ situations such as number of items.
- collects, records (using pictures/numerals) and interprets simple information by looking at visuals. (For example in a picture of a garden the child looks at different flowers and draws inference that flowers of a certain colour are more).
- develops the concept of zero.

